UP News

Date: 10.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

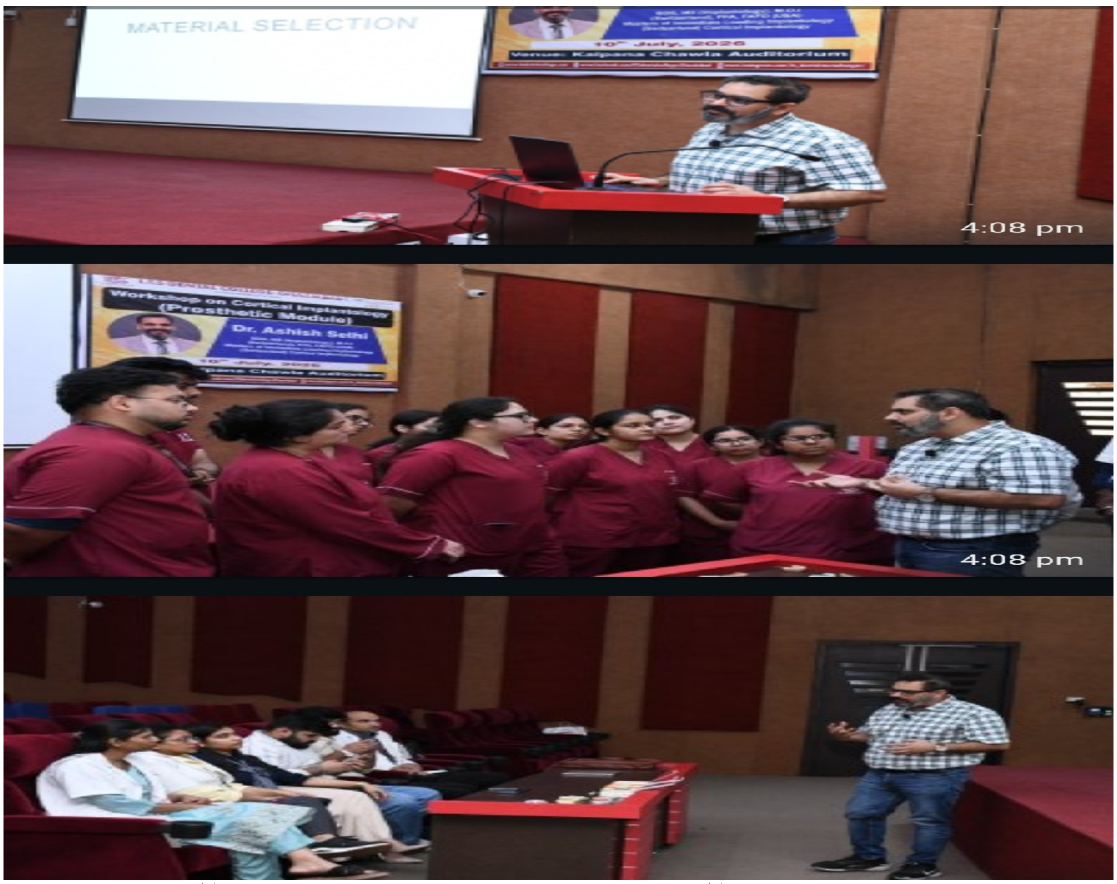

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 10 जुलाई, 2026 को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे,

Sign:

Dental Library | **Director- Principal**

जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 डॉ0 सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई।उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया।श्री अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अधयतन रहना चाहिए।संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कार्यशाला के दौरान प्रो0 डॉ0 सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिज़ाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया।प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Deedar Shah Times

Date: 10.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 10 जुलाई, 2026 को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 डॉ0 सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई।उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था,

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया।श्री अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अधयतन रहना चाहिए।संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के

क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है कार्यशाला के दौरान प्रो0 डॉ0 सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिज़ाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया।प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Dainik Bhaskar

Date: 11.07.2026

कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर आई.टी.एस में हैंड्स-ऑन वर्कशॉप

भास्कर ब्यूरो

मुरादनगर । आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा शुक्रवार को ₹कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी₹ विषय पर एक दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में संस्थान के 52 दंत चिकित्सकों और एम.डी.एस. छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागी उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को निखारने के लिए पहुंचे थे। इस कार्यशाला का संचालन प्रसिद्ध कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव एवं उनकी टीम ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इंप्लांट, इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल, प्रोस्थेटिक वर्कफ्लो, मैटेरियल साइंस और एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से डिजिटल प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन कराया। साथ ही सीमेंटेशन प्रोटोकॉल और साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जटिल मामलों, विशेषकर कमजोर हड्डी संरचना और हड्डी ग्राफ्टिंग संभव न होने वाले मरीजों के लिए बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांट की आधुनिक अवधारणाओं को स्पष्ट करना था। आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा ने कहा कि दंत चिकित्सकों को मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिए आधुनिक और साक्ष्य-आधारित तकनीकों से लगातार अपडेट रहना चाहिए। संस्थान इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यान और प्रैक्टिकल सेशन के बेहतरीन समन्वय की सराहना की और इसे अपने शैक्षणिक व क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को इस ज्ञानवर्धक आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ **Dental Library** ____________ **Director- Principal**

Amar Ujala

विशेषज्ञों ने सिखाईं आधुनिक तकनीकें

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग में शुक्रवार को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर एक दिवसीय ज्ञानवर्धक व हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के दंत चिकित्सकों और एमडीएस के 52 विद्यार्थियों ने भाग लेकर उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला का संचालन कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव व उनकी टीम ने किया। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी, इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल, प्रोस्थेटिक वर्कफ्लो, मेटेरियल साइंस और सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त किया। संवाद

विद्यार्थियों को जानकारी देते विशेषज्ञ। स्रोत: संस्थान

Sign: ______________ ______________________________

Dental Library **Director- Principal**

Jan Sagar Today

Date: 11.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अधयतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कार्यशाला के दौरान प्रो. डॉ. सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Aditya Vibhore

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण

आदित्य विभोर

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग में शुक्रवार को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर एक दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्थान के दंत चिकित्सकों और एमडीएस के 52 विद्यार्थियों ने भाग लेकर आधुनिक इंप्लांटोलॉजी तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।कार्यशाला का संचालन प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इंप्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव और उनकी टीम ने किया। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी और तत्काल लोडिंग प्रोटोकॉल पर विस्तृत जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक और साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से लगातार अपडेट रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी और विश्वसनीय उपचार विकल्प है। कार्यशाला के दौरान प्रो. डॉ. सचिन देव ने कॉर्टिकोबेसल इंप्लांट के प्रोस्थेटिक कार्यप्रवाह, मैटेरियल साइंस, डिजिटल प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग, सीमेंटेशन प्रोटोकॉल तथा डिजिटल कार्यप्रणाली का लाइव प्रदर्शन किया। वैज्ञानिक व्याख्यान और व्यावहारिक प्रशिक्षण के समन्वय को प्रतिभागियों ने बेहद उपयोगी बताया।

संस्थान के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग की अत्याधुनिक सुविधाओं और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण व्यवस्था की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों ने आधुनिक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिलने पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Social Media Times

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में

कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की अत्याधुनिक तकनीकों पर विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण

सोशल मीडिया टाइम्स

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा शुक्रवार को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर एक दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों, जिनमें दंत चिकित्सक और एमडीएस विद्यार्थी शामिल थे, ने आधुनिक इंप्लांटोलॉजी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला का संचालन प्रसिद्ध कॉर्टिको- बेसल इंप्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव एवं उनकी टीम ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी, इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल और जटिल मामलों में उपचार की आधुनिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कार्यशाला के दौरान कॉर्टिको-बेसल इंप्लांट के प्रोस्थेटिक वर्कफ्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सोकैड सॉफ्टवेयर के जरिए प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल की विस्तृत जानकारी दी गई। डिजिटल वर्कफ्लो और साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया, जिससे प्रतिभागियों को आधुनिक क्लीनिकल तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव मिला।

आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि बदलते समय में दंत चिकित्सकों के लिए आधुनिक और साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से लगातार अपडेट रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्थान इंप्लांट डेंटिस्ट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए भी प्रभावी और भरोसेमंद उपचार विकल्प बनकर उभर रही है। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत उपयोगी बताते हुए आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त किया। संस्थान ने भविष्य में भी ऐसे उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Krishna Ujjala Samvaddata

Date: 11.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 10 जुलाई, 2026 को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 डॉ0 सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सके।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। श्री अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कार्यशाला के दौरान प्रो0 डॉ0 सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Athah Samvaddata

Date: 11.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर कार्यशाला

52 दंत चिकित्सकों व विद्यार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग की ओर से शुक्रवार को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर एक दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्थान के दंत चिकित्सकों और एम.डी.एस. के विद्यार्थियों सहित कुल 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया और आधुनिक इंप्लांट तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यशाला का संचालन प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव एवं उनकी टीम ने किया। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी और इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम में कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांट के प्रोस्थेटिक वर्कफ्लो, मैटेरियल साइंस, डिजिटल प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग, लाइव प्रदर्शन और सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल वर्कफ्लो और साक्ष्य-आधारित उपचार प्रक्रियाओं पर विशेष बल दिया गया।

आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा ने कहा कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक उपचार पद्धतियों से निरंतर अपडेट रहना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि संस्थान इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी और विश्वसनीय उपचार विकल्प साबित हो रही है। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यान और व्यावहारिक प्रशिक्षण के समन्वय की सराहना करते हुए इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Hint

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

मुरादनगर। आई . टी .एस . डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग की ओर से कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर कार्यशाला आयोजित हुई। कॉर्टिको–बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट के प्रो0 डॉ सचिन देव व उनकी टीम ने कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल की जानकारी दी। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य–आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था। इस मौके पर संस्थान के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य–आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अध्यतन रहना चाहिए। कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। प्रो0 डॉ0 सचिन देव ने भी प्रतिभागियों के व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन की सराहना की। अंत में आई .टी .एस–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर .पी . चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग को सराहा गया।

Sign: __________ __________________

Dental Library **Director- Principal**

Rojana Times

Date: 11.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 डॉ0 सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें। यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अध्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। कार्यशाला के दौरान प्रो0 डॉ0 सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Buland Sandesh

Date: 11.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो० डॉ० सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सके। यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अधयतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है, तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कार्यशाला के दौरान प्रो. डॉ० सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सोकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया।

संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Loktantra Vani Samvaddata

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा 10 जुलाई 2026 को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हस्त प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक तथा एमडीएस के विद्यार्थी शामिल थे। सभी प्रतिभागी उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने चिकित्सीय कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से कार्यशाला में शामिल हुए। कार्यशाला का संचालन प्रतिष्ठित कॉर्टिको बेसल इंप्लांटोलॉजिस्ट प्रोफेसर डॉक्टर सचिन देव तथा उनकी टीम ने किया। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी और त्वरित भार वहन प्रोटोकॉल से जुड़े अपने अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा सके। यह कार्यक्रम आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा ने कहा कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक और साक्ष्य आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान इंप्लांट दंत चिकित्सा के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार उपलब्ध करा रहा है। कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी और विश्वसनीय उपचार पद्धति मानी जाती है। कार्यशाला के दौरान प्रोफेसर डॉक्टर सचिन देव ने प्रतिभागियों को कॉर्टिको बेसल इंप्लांट के प्रोस्थेटिक कार्यप्रवाह, सामग्री विज्ञान, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइन का सजीव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में डिजिटल कार्यप्रवाह और साक्ष्य आधारित पुनर्स्थापन प्रक्रियाओं पर विशेष बल दिया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों और व्यावहारिक प्रदर्शन के प्रभावी समन्वय की सराहना करते हुए इसे अपने शैक्षणिक और चिकित्सीय प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। संस्थान उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना और तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों और चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार से संबंधित नवीनतम जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर आर पी चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Sunhera Sansar Samvaddata

Date: 11.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय सुनहरा संसार
वन्दना जोशी संवादाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 10 जुलाई, 2026 को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो० डॉ० सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस- द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अधयतन रहना चाहिए।

संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कार्यशाला के दौरान प्रो० डॉ० सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Uday Bhoomi Samvaddata

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में आधुनिक इंप्लांटोलॉजी की नई उड़ान, विशेषज्ञों ने सिखाई अत्याधुनिक कॉर्टिकल तकनीक

कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 52 दंत चिकित्सकों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। आधुनिक दंत चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार हो रहे तकनीकी नवाचारों को चिकित्सकों और विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा शुक्रवार को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर एक दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। वैज्ञानिक व्याख्यानों और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण से सुसज्जित इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक तथा स्नातकोत्तर (एमडीएस) के विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यशाला का उद्देश्य आधुनिक इंप्लांट तकनीकों की गहन जानकारी प्रदान कर प्रतिभागियों के क्लीनिकल कौशल को और अधिक सशक्त बनाना था। कार्यशाला का संचालन देश के प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इंप्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव एवं उनकी विशेषज्ञ टीम ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी, इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल तथा जटिल परिस्थितियों में सफल इंप्लांट उपचार की नवीनतम तकनीकों से अवगत कराया। विशेषज्ञों ने बताया कि कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उन मरीजों के लिए अत्यंत प्रभावी विकल्प है, जिनकी हड्डियों की संरचना कमजोर होती है और जहां पारंपरिक इंप्लांट तकनीक अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाती।

कार्यशाला के दौरान प्रो. डॉ. सचिन देव ने कॉर्टिको-बेसल इंप्लांट के प्रोस्थेटिक कार्यप्रवाह, आधुनिक सामग्री विज्ञान, डिजिटल प्रोस्थेटिक डिजाइन, विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपचार योजना तैयार करने तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने अत्याधनिक डिजिटल तकनीकों के माध्यम से उपचार प्रक्रिया को निकट से समझा और विशेषज्ञों से अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। कार्यक्रम में डिजिटल कार्यप्रणाली, साक्ष्य-आधारित पुनर्स्थापन उपचार तथा आधुनिक दंत चिकित्सा में तकनीक के बढ़ते महत्व पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि बदलते समय में दंत चिकित्सकों के लिए नवीनतम तकनीकों और वैज्ञानिक शोधों से लगातार अद्यतन रहना आवश्यक है, ताकि मरीजों को विश्वस्तरीय और सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराया जा सके। यह कार्यशाला आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित की गई। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आधुनिक चिकित्सा शिक्षा का उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों और चिकित्सकों को नवीनतम तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रयास है कि प्रत्येक चिकित्सक साक्ष्य-आधारित और आधुनिक उपचार पद्धतियों में दक्ष बने, जिससे मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं

- ▶ **विशेषज्ञ प्रो. डॉ. सचिन देव ने लाइव प्रदर्शन के माध्यम से आधुनिक उपचार तकनीकों और डिजिटल कार्यप्रणाली की दी जानकारी**
- ▶ **कमजोर हड्डी वाले मरीजों के लिए प्रभावी उपचार पद्धति पर जोर, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के प्रति आईटीएस की प्रतिबद्धता दोहराई**

उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि आईटीएस डेंटल कॉलेज का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक उपकरणों, आधुनिक तकनीकों और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां विद्यार्थियों और चिकित्सकों को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराया जाता है, जहां वे नवीनतम तकनीकों का अभ्यास कर अपने व्यावसायिक कौशल को और अधिक विकसित कर सकें। कार्यशाला में वैज्ञानिक व्याख्यानों और व्यावहारिक प्रशिक्षण का संतुलित समन्वय प्रतिभागियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। प्रतिभागियों ने कहा कि उन्हें आधुनिक इंप्लांटोलॉजी की नवीनतम अवधारणाओं, डिजिटल उपचार प्रणाली और जटिल मामलों के सफल प्रबंधन की उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई, जो उनके शैक्षणिक एवं क्लीनिकल कार्य में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग तथा विशेषज्ञ वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। सभी ने इस प्रकार की वैज्ञानिक एवं कौशल आधारित कार्यशालाओं के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और गुणवत्तापूर्ण उपचार सेवाओं को नई दिशा प्रदान करते हैं।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Hind Atma Samvaddata

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा 10 जुलाई, 2026 को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सके। कार्यशाला के दौरान प्रो. डॉ. सचिन देव ने प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांट्स के प्रोस्थेटिक वर्कफ्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सोकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार का ज्ञान देने के लिए आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Aap Abhi Tak

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल

इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

आयोजन

- **संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है**

संवाददाता (आप अभीतक)

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सके।

यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कार्यशाला के दौरान प्रो. डॉ. सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सोकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Manasvi Vani Samvaddata

Page No.01 (Gzb) Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर ।दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एमडीएस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 डॉ0 सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया।आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अधयतन रहना चाहिए।

कार्यशाला के दौरान प्रो0 डॉ0 सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Smart Vision Samachar

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 10 जुलाई 2026 को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो० डॉ० सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सके। यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढ़ा के सहयोग से आयोजित किया गया। श्री अर्पित चड्ढ़ा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अधयतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कार्यशाला के दौरान प्रो० डॉ० सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को कॉर्टिकोबेसल इम्प्लांटस के प्रोस्थेटिक वर्कफ़्लो, मैटेरियल साइंस, एक्सेकैड सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोस्थेटिक डिजाइनिंग का लाइव प्रदर्शन तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में डिजिटल वर्कफ़्लो एवं साक्ष्य-आधारित रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसरचना एव तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढ़ा तथा वाइंस चेयरमैन अर्पित चड्ढ़ा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Yug Karvat

Date: 11.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में हुई कार्यशाला

गाजियाबाद (युग करवट)। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एमडीएस के विद्यार्थी शामिल थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 सचिन देव एवं उनकी टीम द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की तथा इसे अपने शैक्षणिक एवं क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

Sign: ___________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**